पाठ-8

अपनों के पत्र

सर्दी का मौसम है। गौतम और गीतांजलि आँगन में खेल रहे हैं। उन्हें अपने पिताजी की याद सता रही है। वे भारतीय स्थल सेना में नौकरी करते हैं। हाल ही में उनका अरुणाचल प्रदेश में तबादला हुआ है। काफी दिनों के बाद उनके पिताजी से एक चिट्ठी आई। एकाएक गीतांजलि चिल्लाने लगी, "चिट्ठी आई - चिट्ठी आई।" डाकिए ने गौतम को एक लिफाफा दिया। दोनों चिट्ठी निकालकर पढ़ने लगे।

प्यारे तवाङ

गौतम और गीतांजलि, 20.12.2011

मेरा प्यार व आशीर्वाद लेना। तुमलोगों की चिट्ठी मुझे बहुत पहले ही मिल चुकी थी। परंतु जवाब लिखने के बाद भी चिट्ठी भेज नहीं पा रहा था। यहाँ मेरी खैरियत ही है। उम्मीद है कि घर में सभी सकुशल हैं। कुछ दिन पहले मेरी ड्यूटी भारत-चीन सीमा पर लगी है। तुम्हें

DAILY ASSAM

यह जानकर हैरानी होगी कि वहाँ से टेलीफोन करना तो दूर की बात, चिट्ठी भेजना भी आसान नहीं है।

ओह! मैं तो भूल ही गया था, तुम लोगों ने अपनी चिट्ठी में अरुणाचल प्रदेश के बारे में पूछा था। जानते हो इसके प्राकृतिक सौंदर्य को देखे बिना तुमलोग शायद ही इसकी कल्पना कर सकोगे। पूरा प्रदेश पहाड़ों से भरा है। चारों ओर हरियाली ही हरियाली है।

तुम लोगों को यह जानकर खुशी होगी कि यहाँ आकर मुझे किसी से बातचीत करने में तकलीफ ही नहीं हुई है। राजधानी इटानगर समेत पूरे राज्य में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी ही प्रचलित है। हालाँकि यहाँ की कार्यालयीन भाषा अंग्रेजी है।

बच्चो, सबसे दिलचस्प बात तो यह है कि यहाँ कई दर्शनीय स्थल हैं। तावाङ, बोमडिला, टिपि, भालुकपुंग, इटानगर, जिरो, आलंग आदि ढेर सारे दर्शनीय स्थलों का आगार है अरुणाचल।

तावाङ शहर भी किसी दृष्टि से कम नहीं। वहाँ का बौद्ध मंदिर करीब 400 साल पुराना है। उस मंदिर में दिसंबर-जनवरी महीने में बड़ा उत्सव होता है। देश-विदेश के पर्यटक यहाँ आकर जमा होते हैं।

जानते हो तावाङ पहुँचने के लिए विश्व के दूसरे सबसे ऊँचे सी-ला पास पार होकर जाना पड़ता है। उसकी एक फोटो भी भेज रहा हूँ। तवाङ से कुछ ही दूरी पर भारत-चीन सीमा है, यानी सीमा पार चीन है। यहीं मेरी ड्यूटी लगी है।

टिपि आर्किडों से भरा एक अविस्मरणीय स्थल है। भालुकपुंग में तो तुमलोग पिछली बार पिकनिक मनाने आए थे। भालुकपुंग पौराणिक कथा से जुड़ा एक पर्यटन स्थल है। वहाँ राजा वाण के पोते भालुक ने अपनी राजधानी बनवाई थी।

बच्चो, तुमलोगों को एक बार अरुणाचल प्रदेश घुमाने जरूर ले आऊँगा। बस आज यहीं खत्म करता हूँ। हाँ, अंत में मेरा प्यार तुम्हारी माँ को भी देना।

तुम्हारे
पिताजी

चिट्ठी पढ़ने के बाद गीतांजलि कागज-कलम लेकर चिट्ठी का जवाब लिखने बैठ गई। थोड़ी देर बाद गौतम ने गीतांजलि से कहा,

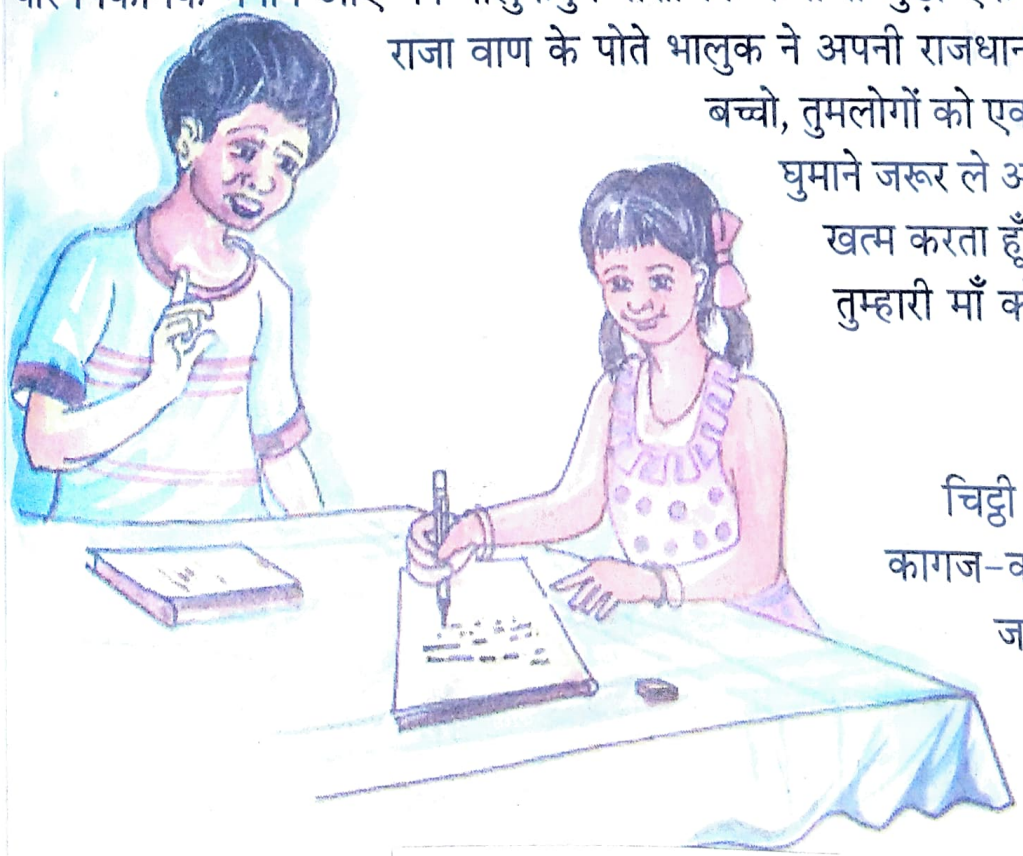

DAILY ASSAM

"बहन, सुनाओ तो पिताजी को क्या-क्या लिख रही हो?"

गीतांजलि ने भैया को चिट्ठी दिखाई।

पिताजी,

मेरी खबर अच्छी है। आपकी चिट्ठी आज मिली।.....

चिट्ठी का आरंभ देखकर गौतम ने कहा- "अरे, यह तुम क्या लिख रही हो? चिट्ठी लिखने का तरीका होता है। पारिवारिक पत्र में सबसे ऊपर संबोधन होना चाहिए। उसके दाहिनी ओर चिट्ठी भेजने वाले के स्थान और दिनांक लिखे जाते हैं। इसके बाद अभिवादन, मूल कलेवर और अंत में स्वनिर्देश वांछनीय हैं। आओ, मैं बोलता जाता हूँ, तुम लिखती जाओ।"

गौतम बोलता गया और गीतांजलि लिखती गई.....।

पूज्य पिताजी, धुबड़ी

सादर प्रणाम! 29.12.2011

हमें आपकी चिट्ठी मिलने पर बेहद खुशी हुई। चिट्ठी के साथ भेजी गई तस्वीरों को देखकर और आनंद मिला। यहाँ हम सभी सकुशल हैं। पिताजी, अरुणाचल के बारे में जानकर हम वहाँ जाने के लिए बैचेन हो उठे हैं। जितनी जल्दी हो सके वहाँ ले जाइएगा। हमारी पढ़ाई अच्छी चल रही है। आप वहाँ सावधानी से रहिएगा। भगवान से प्रार्थना है कि आप वहाँ खैरियत से रहे। अच्छा, आज के लिए बस इतना ही। चिट्ठी के उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी।

आपके प्यारे बेटे-बेटी

गौतम और गीतांजलि

गौतम ने चिट्ठी पूरी होने के बाद माँ को भी पढ़ सुनाया। इसके बाद एक लिफाफे में उसे बंद कर दिया और लिफाफे पर पिता का नाम और कार्यालय का पता लिख लिया। उसने माँ से इजाजत ली और चिट्ठी डाकघर में डाल आया।

आओ, यह भी जानें :

अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में स्थित 'टिपि' नामक स्थान में एक प्रसिद्ध ऑर्किड गवेषणा केंद्र है। वहाँ 7500 से भी अधिक ऑर्किडों का संग्रह है।

DAILY ASSAM

अभ्यास-माला

पाठ से

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो :**
   (क) गौतम और गीतांजलि कहाँ खेल रहे थे ?
   (ख) गौतम और गीतांजलि के पिता को चिट्ठी भेजने में देर क्यों हुई थी ?
   (ग) भालुकपुंग में किसने राजधानी बनवाई थी ?
   (घ) गौतम और गीतांजलि के पिता कौन-सी नौकरी करते थे और उनका तबादला किस जगह पर हुआ था ?

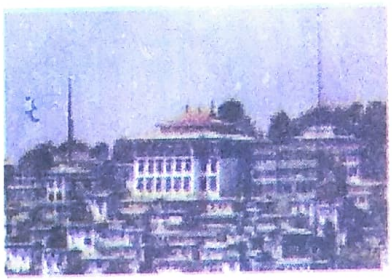

2. **संक्षेप में उत्तर दो :**
   (क) अरुणाचल के पाँच दर्शनीय स्थलों के नाम लिखो।
   (ख) टिपि की विशेषता क्या है ?
   (ग) अरुणाचल की संपर्क भाषा और कार्यालयीन भाषा क्या-क्या हैं ?
   (घ) तावाङ शहर के बौद्ध मंदिर के बारे में संक्षिप्त जानकारी दो।
3. पारिवारिक पत्र में कौन-कौन से अंग होने चाहिए, पाठ के आधार पर एक रूपरेखा बनाकर लिखो।
4. पाठ के आधार पर तावाङ के बारे में पाँच वाक्य लिखो।

पाठ के आस-पास

1. सूचना-प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ संपर्क-व्यवस्था में भरपूर बदलाव आ रहा है। तुम पत्र के अलावा संपर्क-साधन के अन्य उपायों की एक सूची बनाओ और उनकी तस्वीरों का संग्रह करके कॉपी पर चिपकाओ।
2. प्रस्तुत पाठ में पारिवारिक पत्र के बारे में बताया गया है। पारिवारिक पत्र के अलावा पत्र के अन्य और क्या-क्या भेद हैं जान लो और एक तालिका बनाओ।
3. हम वर्ष में विभिन्न प्रकार के त्यौहार मनाते हैं। तुमने इस बार होली किस तरह मनाई, उसकी जानकारी देकर अपने मित्र को एक पत्र लिखो।
4. चिट्ठी भेजते समय पाने वाले के पते के साथ स्थान का डाक सूचकांक (पिन कोड) अवश्य लिखना चाहिए। कुछ प्रमुख महानगरों के डाक सूचकांक हैं-

600001	400001	700001	110001	560001
चेन्नई	मुंबई	कोलकाता	दिल्ली	बेंगलुरू

DAILY ASSAM

तुम असम के प्रत्येक जिला मुख्यालय, जैसे- डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, जोरहाट, गुवाहाटी, बंगाईगाँव, बरपेटारोड आदि के डाक सूचकांकों का संग्रह करके कॉपी पर लिखो।

5. आओ, समूह में बैठकर बातें करें :

(क) क्या तुमलोगों ने भारतीय सेना के बारे में कभी बातचीत की है ? सेना प्रधान की नौकरी करने से कैसा लगेगा, आपस में चर्चा करो।

(ख) अरुणाचल प्रदेश के आदिवासी लोगों की पोशाकों और उनके द्वारा प्रयुक्त आभूषणों के बारे में जानकारी एकत्र करो तथा अपने साथियों को बताओ।

भाषा-अध्ययन

1. आओ, जानें :

वाक्य में संज्ञा शब्द के बार-बार प्रयोग से बचने के लिए जिस शब्द का व्यवहार होता है, उसे **सर्वनाम** कहते हैं।

पढ़ो और समझो :

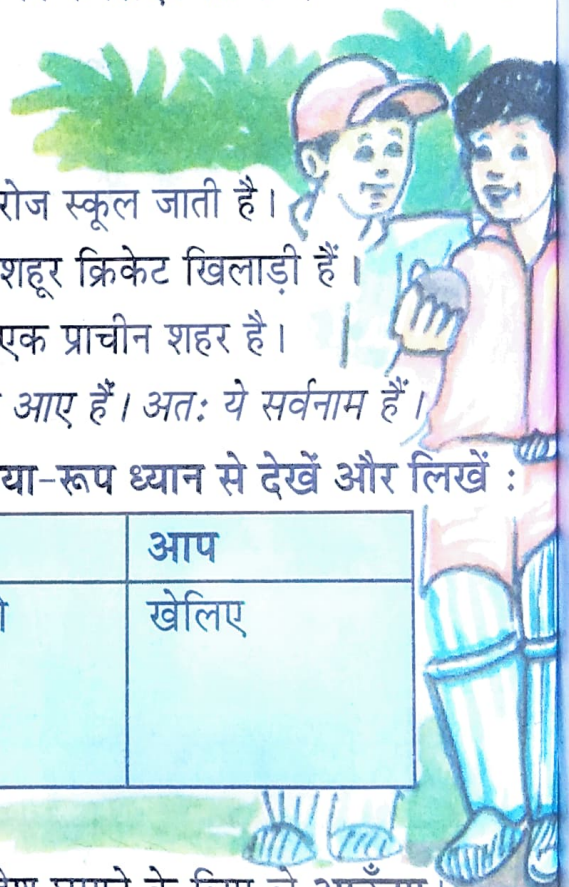

गीतांजलि अच्छी लड़की है। वह रोज स्कूल जाती है।

गौतम और राहुल क्रिकेट खेलते हैं। वे मशहूर क्रिकेट खिलाड़ी हैं।

दिल्ली भारत की राजधानी है। यह एक प्राचीन शहर है।

इन वाक्यों में रेखांकित शब्द नाम के बदले आए हैं। अतः ये सर्वनाम हैं।

2. आओ, सर्वनामों के साथ आने वाले क्रिया-रूप ध्यान से देखें और लिखें :

क्रिया	तू	तुम	आप
खेलना	खेल	खेलो	खेलिए
आना			
पढ़ना			

3. इन वाक्यों को ध्यान से पढ़ो :

(क) तुमलोगों को एक बार अरुणाचल प्रदेश घुमाने के लिए ले **आऊँगा**।

(ख) आप वहाँ सावधानी से **रहिएगा**।

(ग) चिट्ठी के उत्तर की प्रतीक्षा **रहेगी**।

ऊपर के वाक्यों में मोटे अक्षरों वाले शब्दों से पता चलता है कि काम आने वाले समय में होने वाला है। जब काम आने वाले समय में होने का भाव होता है उसे **भविष्यत् काल** कहते हैं।

DAILY ASSAM

4. **खाली जगहों को भविष्य का बोध होने वाले क्रिया-रूपों से पूरा करो :**

(क) गोपाल बाजार .... ।

(ख) गीतांजलि और गौतम विज्ञान प्रदर्शनी देखने .... ।

(ग) माँ भी उनलोगों के साथ .... ।

(घ) यहाँ आने से ही पता .... ।

5. **नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़ो :**

सीमा, एक **अच्छा** फल दो। हाँ-हाँ, दोनों **कच्चे** फल **खराब** हैं। **पके** आम ही दो।
इन वाक्यों में अच्छा, खराब, कच्चे, पके शब्द फल की विशेषता बता रहे हैं।

राम **स्वस्थ** लड़का है। वह पढ़ाई में भी **तेज** है। उसका आचरण भी **ठीक** है।
यहाँ स्वस्थ, तेज, ठीक विशेषता बताने वाले शब्द हैं।

जान लें : ऊपर के वाक्यों में मोटे अक्षरों वाले और रेखांकित शब्द अच्छा, कच्चे, पके, स्वस्थ, तेज, ठीक किसी की विशेषता बताते हैं। ऐसे शब्दों को **विशेषण** कहा जाता है।

अरुणाचल के मनोरम दृश्य को ध्यान से देखो :

अरुणाचल का प्राकृतिक दृश्य

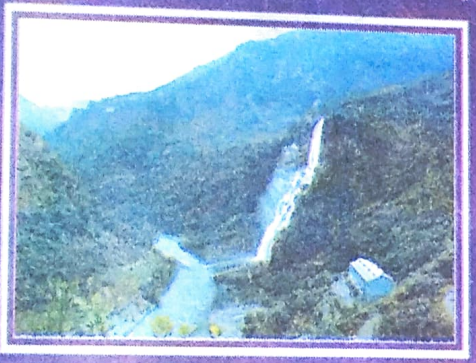

सी-ला पास

परियोजना

कल्पना के सहारे तावाङ के प्राकृतिक दृश्य का एक चित्र बनाओ।

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
ठिठुरन	= ठंड के कारण होने वाला कंपन	सफर	= यात्रा
तबादला	= बदली, स्थानांतरण	फुर्सत	= अवकाश, खाली समय
खैरियत	= कुशलता	सदियों पुराना	= सैकड़ों वर्ष पुराना
तकलीफ	= दिक्कत, परेशानी	अविस्मरणीय	= न भूलने लायक
कार्यालयीन	= कार्यालयों में प्रयोग होनेवाली	सुहावने	= सुंदर
		इजाजत	= आज्ञा, अनुमति

DAILY ASSAM